

3. 9. 84, 2. तेन यज्ञेन वृत्तणा आ पृषाधम् 162, 5. ह्ययमांसाः सोतभिरुप यज्ञम् 4, 29, 2. इमं यज्ञं चनेन धा अय उशान्यं ते आसानो जुहुते कृविष्मान् 6, 10, 6. 14, 2. AV. 1, 15, 1. 4, 23, 2. 7, 20, 1. 4. 5. 12, 1, 22. VS. 2, 6. 4, 9. ÇAT. Br. 1, 1, 4, 3. 3, 2, 2. यज्ञाः संकल्पसंभवाः M. 2, 3. यज्ञाध्ययननित्य R. 1, 6, 14. यज्ञाश्चैवाप्तदक्षिणाः 53, 24. कृतो यज्ञस्त्वदक्षिणाः Spr. 809. RAĞH. 1, 26. VARĀH. BRH. S. 13, 11. 45, 5. यज्ञं यज्ञ् RV. 1, 142, 8. 13, 8. R. 2, 72, 27. ईजे यज्ञेषु यज्ञियम् RV. 6, 16, 4. VS. 17, 55. यज्ञेन यज्ञ् ÇĀÑKH. ÇR. 16, 10, 15. M. 6, 36. fg. 8, 306. 11, 39. MBH. 13, 328. BHAG. 9, 20. R. 1, 58, 20. BHĀG. P. 3, 13, 11. यज्ञेन चरुं KĀTJ. ÇR. 25, 14, 29. यज्ञं भरुं RV. 1, 122, 1. 2, 5, 8. यज्ञं तन् 7, 10, 2. AV. 4, 14, 4. AIR. Br. 2, 11. M. 4, 205. यज्ञं वितन् 3, 28. ÇĀK. 193. BHĀG. P. 3, 24, 24. °वितान 1, 33. °संतति 4, 7, 17. यज्ञं कारुं RV. 4, 34, 3. प्र यन्ति यज्ञम् 7, 21, 2. 44, 2. 4, 39, 5. यज्ञं गच्छेन्न चावृतः M. 4, 57. यज्ञमेव देवा उपायन् ÇAT. Br. 3, 2, 1, 18. परिं यज्ञं नि पैद्युः RV. 4, 56, 7. यज्ञमधीयानाः ÇAT. Br. 14, 6, 7, 1. प्रयति यज्ञे RV. 3, 29, 16. 6, 10, 1. सद्यः संतिष्ठते यज्ञः M. 5, 98. सर्वथा वर्तते यज्ञः 2, 15. °निर्वृति 4, 23. °सिद्धि 1, 23. 11, 12. °संस्तरं MBH. 12, 791. °प्रयान Verz. d. Oxf. H. 345, b, 31. °समृद्धि ebend. °भङ्ग 138, b, No. 272. दिवं देवास्तृतीयं यज्ञो ऽगात् ÇĀÑKH. ÇR. 3, 20, 4. यज्ञस्य ऋत्विक् RV. 1, 1, 1. 44, 11. यज्ञस्य केतुः s. u. केतु. ब्राह्मणं KĀTJ. ÇR. 19, 1, 1. राजं 20, 1, 1. वैश्यं 22, 11, 7. गणं 12. एकं 25, 13, 30. द्विं 22, 11, 14. द्विजदेवयज्ञयोगप्रसक्तधी VARĀH. BRH. S. 69, 38. गिरिं ° ein zu Ehren eines Berges veranstaltetes Opfer HARIV. 3850. पुद्द ° eine als Opfer gedachte Schlacht 13213. fg. विवाहयज्ञे वितते KUMĀRAS. 7, 47. ज्ञानं BHAG. 9, 15. प्रस्ताव° Spr. 3273. तूष्णीमयज्ञे दक्षिणाः LĀTJ. 2, 8, 30. वेदिर्द्विजस्याग्रेरुत्तरवेदिः KAUC. 127. °काण्ड PAÑĀAV. Br. 11, 11, 2. 13, 6, 2. °रूप ÇAT. Br. 5, 3, 5, 20. 12, 8, 2, 15. KĀTJ. ÇR. 15, 5, 11. MUND. UP. 1, 2, 7. °रूपधृक् PAÑĀAV. 4, 8, 26. °लिङ्ग BHĀG. P. 3, 13, 13. °कीर्ति Ind. St. 3, 459, 9. °संभाराः BHĀG. P. 2, 6, 22. °गोश्रः (°गोश्रः ed. Bomb.) R. 2, 71, 37. °शिष्टाशन M. 3, 118. fünf Opfer: देव°, भूत°, पितृ°, ब्रह्म°, मनुष्य° ĀCV. GRHJ. 3, 1, 1—4. M. 3, 70. 73. 5, 169. MBH. 3, 5025. 10662. चतुर्द्व्यान्मनो दद्याद्वाचं दद्याच्च सूनृताम् | अनुव्रजेडुपासीत स यज्ञः पञ्चदक्षिणाः || 349. fg. Personificirt HARIV. 11674. 14187. VP. 67. fg. BHĀG. P. 8, 16, 31. mit dem patron. Prāgāpatja, angeblicher Verfasser von RV. 10, 130. गाथा यज्ञगीता (vgl. यज्ञगाथा) MBH. 12, 791. 2316. eine Form Vishṇu's 1510. BHĀG. P. 3, 13, 22. 8, 1, 18. 14, 3. PAÑĀAV. 4, 3, 119. H. an. ein Sohn Rukī's von der Ākūti VP. 54. Indra unter Manu Svājambhūva BHĀG. P. 4, 1, 8. Nach H. an. noch ein Name des Feuers und = आत्मन्. — Vgl. अ°, अधि°, अधि°, गो°, अरु°, जप°, देव°, नाम°, नृ°, परि°, पशु°, पाक°, पितृ°, पुनर्यज्ञ, प्रथम°, बीज°, ब्रह्म°, ब्राह्मण°, भर्तृ°, भूत°, मनुष्य°, मन्त्र°, मातृ°, मित्र°, राज°, विधि°, वेद°, याज्ञायनि, याज्ञिक.

यज्ञक MBH. 13, 4818 fehlerhaft für याज्ञक, wie die ed. Bomb. liest.

1. यज्ञकर्मन् (यज्ञ + क°) n. Opferhandlung KĀTJ. ÇR. 1, 8, 19. WEBER, GORR. 94. M. 2, 208. 3, 120. 5, 116. P. 1, 2, 34. R. 1, 12, 8. 39, 25. R. GORR. 1, 12, 5. 39, 25. Vgl. यज्ञानां कर्म Verz. d. Oxf. H. 30, b, 3.

2. यज्ञकर्मन् (wie eben) adj. mit einem Opfer beschäftigt: ब्राह्मण R. GORR. 1, 13, 26. 28.

यज्ञकल्प (यज्ञ + क°) adj. operähnlich BHĀG. P. 6, 8, 13. यज्ञैरवयवद्वयैः कल्प्यते निवृप्यते Comm.

यज्ञका f. Hypokoristikon von यज्ञदत्ता P. 7, 3, 45, Vārtt. 8, Schol. यज्ञकाम (यज्ञ + काम) adj. nach Gottesdienst begierig RV. 10, 51, 5. TS. 3, 2, 2, 3. AV. 7, 28, 1. 103, 1. AIR. Br. 1, 5. ÇĀÑKH. ÇR. 5, 2, 2. 16, 29, 7.

यज्ञकार (यज्ञ + 1. कार्) adj. mit einem Opfer beschäftigt MBH. 13, 1874. यज्ञकाल (यज्ञ + 2. काल) m. 1) Opferzeit LĀTJ. 8, 1, 1. — 2) Bez. des letzten Tages in einem Halbmonate H. 148.

यज्ञकीलक (यज्ञ + की°) m. Opferpfosten H. 824. यज्ञकृत (यज्ञ + कृत्) 1) adj. Gottesdienst verrichtend, mit einem Opfer beschäftigt TS. 3, 2, 2, 1. 8, 3. BHĀG. P. 4, 4, 7. Opfer veranlassend, Beiw. Vishṇu's MBH. 13, 7054. — 2) m. N. pr. eines Fürsten VP. 412.

यज्ञकृतत्र s. u. कृतत्र und die Nachträge u. d. W. यज्ञकेतु (यज्ञ + केतु) m. 1) Kenntniss des Gottesdienstes habend (etwa sov. a. यज्ञधीर) RV. 4, 51, 11. = यज्ञः प्रज्ञापको यस्य ŚĀ. — 2) N. pr. eines Rākshasa R. 6, 18, 14. wohl fehlerhaft für यज्ञकोप.

यज्ञकोप (यज्ञ + कोप) m. N. pr. eines Rākshasa R. 5, 80, 1. 6, 69, 11. 7, 5, 36.

यज्ञकर्तु (यज्ञ + क्रतु) m. 1) eine gottesdienstliche Handlung, Ritus; das Ganze einer Feier, Haupthandlung AIR. Br. 1, 22. अग्निष्टोमं यथा समुद्रं स्रोत्या एवं सर्वं यज्ञकर्तवो ऽपियन्ति 3, 39. इकादधो नाम यज्ञकर्तुः 40. 43. 6, 31. राजसूय 7, 15. TBR. 1, 3, 2, 1. 4, 6, 3. 5, 9, 1. 7, 2, 2. 2, 2, 1. अग्निष्टोत्र 3, 6, 1. 3, 8, 19, 1. 10, 9, 2. TS. 3, 1, 7, 3. 6, 4, 2, 4. ÇAT. Br. 2, 3, 2, 10. 3, 9, 2, 33. 5, 2, 2, 9. 10, 4, 2, 4. सौत्रामणी 12, 8, 2, 1. अश्वमेध 13, 4, 1, 1. ÇĀÑKH. ÇR. 15, 1, 3. 16, 23, 6. 29, 8. BHĀG. P. 8, 20, 11. Personif. eine Form Vishṇu's 4, 7, 46. 5, 18, 35. — 2) pl. die Jāgña und Kratu genannten Opfer Ind. St. 2, 96. fg. WEBER, RĀMAT. UP. 354. — Vgl. आकृत°.

यज्ञक्रिया (यज्ञ + क्रि°) f. Opferhandlung KATHĀS. 82, 9. P. 1, 2, 34, Sch. Verz. d. Oxf. H. 339, b, 4.

यज्ञगाथा (यज्ञ + गा°) f. ritueller Gedenkvors AIR. Br. 3, 43. ĀCV. ÇR. 2, 12, 6. GRHJ. 1, 3, 10. ÇĀÑKH. ÇR. 16, 8, 26. 9, 6. Vgl. गाथा यज्ञगीता MBH. 12, 791. 2316.

यज्ञगिरि (यज्ञ + गि°) m. N. pr. eines Berges HARIV. 5327. यज्ञघ्न (यज्ञ + घ्न) adj. Opfer störend; m. ein Opfer störender Dämon R. 1, 11, 16 (21 GORR.). 12, 3. BHĀG. P. 3, 22, 30. 4, 4, 32. 6, 6, 34.

यज्ञज्ञ (यज्ञ + ज्ञ) adj. des Gottesdienstes kundig NIB. 11, 18. यज्ञतति (यज्ञ + 2. त°) f. Opferdarbringung AV. PRĀT. 4, 104. यज्ञतनू (यज्ञ + तनू) f. eine Form —, Species des Gottesdienstes KAUC. 138. Bez. gewisser Vjāhrti ÇAT. Br. 4, 5, 7, 3. gewisser Ishṭakā TS. 5, 4, 2.

यज्ञतन्त्रमुधानिधि m. Titel eines Werkes Ind. St. 1, 470. COLEBR. Misc. Ess. 1, 81. यज्ञतन्त्रसूत्र n. Titel eines Sūtra Ind. St. 1, 470.

यज्ञत्रातर् (यज्ञ + त्रा°) m. Beschützer des Opfers, Bein. Vishṇu's PAÑĀAV. 4, 3, 36 (S. 248).

यज्ञदक्षिणा (यज्ञ + द°) f. ein den dienstthuenden Priestern verabfolgtes Opfergeschenk R. 2, 75, 24.

यज्ञदत्त (यज्ञ + दत्) m. ein häufig vorkommender Mannsname R. GORR. 2, 66, 6. KATHĀS. 21, 109. 28, 162. PAÑĀAV. 199, 8. ed. ORN. 63, 17. beispieelsweise gebraucht wie Gajus KAN. 3, 2, 6. 10. WEBER, NAX. 2, 319.